कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का शानदार प्रदर्शन

39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर खत्म किया अभियान

13 गोल्ड के साथ भारत ने रचा नया इतिहास

10 पदकपैरा एथलीटों ने जीते सात पदक

07 स्वर्ण बॉक्सिंग में रिकॉर्ड

ग्लासगो, 03 अगस्त कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक जीते और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। सीमित खेल कार्यक्रम के बावजूद भारत ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

इस बार प्रतियोगिता में कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी और शूटिंग जैसे भारत के पदक दिलाने वाले कई प्रमुख खेल शामिल नहीं थे। 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित इन खेलों में भारत के 122 खिलाड़ियों ने आठ सामान्य खेलों और पांच एकीकृत पैरा खेलों में हिस्सा लिया। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया 171 पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि इंग्लैंड 110 और कनाडा 62 पदकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। भारत और मेजबान स्कॉटलैंड दोनों ने 39-39 पदक जीते, लेकिन अधिक रजत पदकों के कारण भारत चौथे स्थान पर रहा भारत के लिए सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा, जिसमें खिलाड़ियों ने कुल 10 पदक जीते। इनमें रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक शामिल रहे, जो किसी भी देश का कॉमनवेल्थ गेम्स के एक संस्करण में बॉक्सिंग में सबसे बड़ा प्रदर्शन है। भारत के लिए प्रीति पवार, जैस्मिन लैंबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल ने स्वर्ण पदक जीते।

राष्ट्रमंडल में दमदार प्रदर्शन पर नीता अंबानी ने टीम इंडिया को दी बधाई

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। मुक्केबाजी में भारत ने रिकॉर्ड प्रदर्शन किया, जबकि पैरा खिलाड़ियों ने भी अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ कॉमनवेल्थ गेम्स अभियान पूरा किया। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर एवं चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी ने टीम इंडिया को बधाई देते हुए कहा, 'हर पदक के पीछे असाधारण मेहनत, दृढ़ता, त्याग और हमारे देश की कभी हार न मानने वाली भावना की कहानी है। हमारे खिलाड़ियों ने एक बार फिर पूरे देश को गौरवान्वित किया है।' उन्होंने महिला खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के प्रदर्शन की विशेष सराहना की। नीता अंबानी ने रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े लवलीना बोरगोहेन, मुरली श्रीशंकर और तेजस्विन शंकर को भी उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता नई पीढ़ी को बड़े सपने देखने और देश के लिए खेलने की प्रेरणा देगी।

मांडविया ने पदक जीतने वाले तो किया सम्मानित

नयी दिल्ली, 03 अगस्त युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना की। भारतीय वेटलिफ्टरों ने 11 वेट कैटेगरी में हिस्सा लिया और आठ मेडल जीते - एक गोल्ड, छह सिल्वर और एक ब्रॉन्ज़। भारतीय दल ने कई कॉमनवेल्थ गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाए, साथ ही कई खिलाड़ियों ने अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन (पर्सनल-बेस्ट लिफ्ट) भी किया।

> खेल मंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार उपलब्धियों के लिए गोल्ड मेडल जीतने वालों को 30 लाख रुपये, सिल्वर मेडल जीतने वालों को 20 लाख रुपये और ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वालों को 10 लाख रुपये का नकद इनाम दिया। इन खेलों में भारतीय वेटलिफ्टरों ने देश का अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों को बधाई देते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि पूरे देश ने उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, 'संसद में भी, हर बार जब आपने मेडल जीते, तो घोषणाएं की गईं। उन पलों ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय खिलाड़ियों को दी बधाई

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खुशी जताते हुए पूरे दल को बधाई दी है। भारत ने इन खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक जीते, जिसमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक शामिल रहे। राष्ट्रपति ने खास तौर पर महिला खिलाड़ियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से आठ स्वर्ण महिला खिलाड़ियों ने जीते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी 39 पदक विजेताओं और भारतीय दल के प्रत्येक सदस्य को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण भविष्य में देश को और गौरवान्वित करेगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वेटलिफ्टिंग चैंपियन मीराबाई चानू से मुलाकात की

ग्लासगो में लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने के बाद, मशहूर वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने आज नई दिल्ली में संचार और नॉर्थ-ईस्ट क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से मुलाकात की।

मीराबाई चानू को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए, सिंधिया ने उनके अटूट संकल्प, अनुशासन और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने उनकी सफलता को देश भर के, और खासकर नॉर्थ-ईस्ट क्षेत्र के लाखों युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा बताया। बातचीत के दौरान,

मीराबाई चानू ने अपनी हिम्मत और संघर्ष की प्रेरणादायक यात्रा के बारे में बताया और उन चुनौतियों का ज़िक्र किया जिनका सामना करके वह भारत की सबसे मशहूर खिलाड़ियों में से एक बनीं।

एक नजर में

सुभादीप बने पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच

मुम्बई, 03 अगस्त. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले सुभादीप घोष को भारतीय पुरुष टीम का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया हैं। वह टी दिलीप की जगह लेंगे। घोष इससे पहले असम की सीनियर पुरुष टीम को कोचिंग दे चुके हैं और वह विभिन्न एज ग्रुप में विभिन्न टीमों के साथ काम किया हैं। उन्होंने 2023 तक दो वर्ष के लिए भारतीय महिला सीनियर टीम के साथ भी काम किया हैं। वह महिला वनडे विश्व कप 2022 और एक साल बाद हुए महिला टी-20 विश्व कप में सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज घोष ने असम और रेलवेज का प्रतिनिधित्व किया था और उन्होंने 17 प्रथम श्रेणी और 17 लिस्ट ए मुक़ाबले खेले। वह अतीत में इंडिया ए के साथ भी काम कर चुके हैं। दिलीप 2021 से लेकर 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी तक पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच थे। इसके बाद वह एक वर्ष के कार्यकाल के लिए 2025 में भारत के इंग्लैंड टेस्ट दौरे के दौरान इस भूमिका में वापस लौटे थे। घोष के कार्यकाल में पहली सीरीज 15 अगस्त से गॉल में श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी

सितेन्दर ने सुशील के कारनामे की बराबरी की

बाकू, 03 अगस्त . अज़रबैजान के बाकू में 2026 अंडर 17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की फ्रीस्टाइल रेसलिंग टीम का अभियान बहुत शानदार रहा। इसमें एक रोमांचक गोल्ड मेडल जीत ने भारतीय रेसलिंग के सुनहरे दिनों की याद दिला दी। आखिरी दिन तीन मेडल जीतने के साथ, महिला रेसलिंग और पुरुष फ्रीस्टाइल में भारत के कुल मेडल की संख्या 13 हो गई। इस चैंपियनशिप की सबसे खास बात 60 किग्रा कैटेगरी में 17 साल के सितेन्दर मलिक का प्रदर्शन रहा। 2025 के अपने अंडर 17 वर्ल्ड टाइटल का बचाव करते हुए, सितेन्दर का मुकाबला रूस के सर्गेई कर्मरियन से हुआ। शांत और सटीक रेसलिंग का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए, युवा भारतीय रेसलर ने 3-1 से जीत हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत ने सितेन्दर को बहुत खास खिलाड़ियों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। उन्होंने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया; वे दो अंडर 17/कैडेट वर्ल्ड टाइटल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल रेसलर बन गए हैं। यह शानदार उपलब्धि भारतीय रेसलिंग के दिग्गज और दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार के शुरुआती करियर जैसी है, जिन्होंने 1998 और 1999 में कैडेट वर्ल्ड टाइटल जीते थे। कैडेट लेवल पर इस तरह के दबदबे की वापसी ने भारतीय खेल जगत में उत्साह की लहर दौड़ा दी है। 45 किग्रा कैटेगरी में, हनुमंत राजेंद्र जाधव ने ब्रॉन्ज़ मेडल के प्लेऑफ़ मैच में बेहतरीन फुर्ती और तकनीक दिखाई। महाराष्ट्र के इस रेसलर ने ईरान के महदी दावूद डमरचेली पर दबदबा बनाते हुए 7-1 से शानदार जीत हासिल की।

कुवाकी शिहो ने हेन्सेलीट को हरा जीता खिताब

लंदन, 03 अगस्त. जापान की गोल्फ खिलाड़ी कुवाकी शिहो ने जर्मनी की एस्थर हेन्सेलीट को दूसरे प्ले-ऑफ होल में हराकर महिला ब्रिटिश ओपन खिताब जीता। यह जापान का लगातार दूसरा खिताब है। हेन्सेलीट ने इंग्लैंड के लंकाशायर में रॉयल लिथम एंड सेंट एन्स में 18वें होल पर बर्डी लगाकर टाई-ब्रेकर की स्थिति बनाई, जिससे वह कुवाकी के साथ 5-अंडर 279 के स्कोर पर बराबरी पर आ गई। 23 वर्षीय कुवाकी ने दूसरे एक्स्ट्रा होल पर 'पार' स्कोर किया, जबकि हेन्सेलीट ने 'बोगी' किया, जिससे कुवाकी ने 2026 का आखिरी महिला गोल्फ मेजर खिताब अपने नाम कर लिया। दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी और इस साल के पहले दो मेजर टूर्नामेंट जीतने वाली नेली कोर्डा 2-अंडर 282 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं। कुवाकी ने पिछले साल यामाशिता मियू के नक्शेकदम पर चलते हुए एलपीजीए मेजर जीतने वाली सातवीं जापानी खिलाड़ी का दर्जा हासिल किया। रविवार की इस जीत के परिणामस्वरूप, वह 2027 में पूर्णकालिक रूप से एलपीजीए टूर में शामिल होंगी। कुवाकी ने कहा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा है, उन्होंने इस दिन 1-अंडर 70 के स्कोर के साथ खेल समाप्त किया। इस मंच पर प्रतिस्पर्धा कर पाना ही सम्मान की बात है। मैं हर होल पर जितना हो सके उतना आनंद लेने की कोशिश कर रही थी। मैं नहीं चाहती कि इस जीत को महज एक क्षणिक सफलता के रूप में देखा जाए। मैं आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहती। मैं और बेहतर बनना चाहती हूं, इसलिए मैं मेहनत करती रहूंगी।'

वेस्ट इंडीज़ ने बारिश से प्रभावित पहले दिन बनाये 239/5

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, 03 अगस्त. क्वींस पार्क ओवल में स्पिनरों का दबदबा रहा, जहाँ गेंद काफी टर्न हो रही थी। बारिश के कारण छोटा हुए खेल के बावजूद, अहम टॉस जीतने के बाद मेज़बान टीम का पलड़ा भारी रहा।

जस्टिन ग्रीव्स के नाबाद 64 रनों की बदौलत छठे विकेट के लिए 66 रनों की अटूट साझेदारी हुई, जिससे वेस्ट इंडीज़ का स्कोर 5 विकेट पर 239 रन तक पहुँच गया। इसके बाद खराब रोशनी के कारण दिन का खेल समय से पहले खत्म करना पड़ा। खेल शुरू होने से पहले पाकिस्तान की प्लेइंग इ्ग्लैंड से मोहम्मद अब्बास का बाहर रहना चर्चा का विषय बना रहा। वेस्ट इंडीज़ के ओपनर्स द्वारा तेज़ी से रन बनाने के बाद यह फ़ैसला पाकिस्तान को भारी पड़ता दिखा। उन्होंने सिर्फ़ 9.5 ओवर में 49 रन बना लिए थे, तभी बारिश शुरू हो गई और लंच जल्दी करना पड़ा।

अंडर-17 वर्ल्ड रेसलिंग में भारत का जलवा

भारत ने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में जीते 13 पदक

सितेंदर मलिक ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

बाकू, (अजरबैजान) 03 अगस्त भारत की युवा कुश्ती टीम ने 2026 अंडर-17 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया है। फ्रीस्टाइल रेसलिंग और महिला कुश्ती में भारतीय पहलवानों ने कुल 13 पदक अपने नाम किए, जिसमें एक स्वर्ण, चार रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं।

चैंपियनशिप के आखिरी दिन तीन और पदक जीतकर भारत ने अपनी पदक संख्या को 13 तक पहुंचाया। प्रतियोगिता में भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि 60 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में सितेंदर मलिक का प्रदर्शन रहा। 17 वर्षीय भारतीय पहलवान ने अपने 2025 के अंडर-17 वर्ल्ड खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए रूस के सर्गेई कर्मरियन को हराकर स्वर्ण पदक जीता। कड़े मुकाबले में सितेंदर ने शांत और रणनीतिक खेल दिखाते हुए 3-1 से जीत दर्ज की।

> इस उपलब्धि के साथ सितेंदर मलिक दो अंडर-17/कैडेट वर्ल्ड खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवान बन गए हैं। इससे पहले यह उपलब्धि भारत के दिग्गज पहलवान और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार हासिल कर चुके हैं, जिन्होंने 1998 और 1999 में कैडेट वर्ल्ड खिताब जीते थे। 45 किलोग्राम वर्ग में महाराष्ट्र के **हनुमंत राजेंद्र जाधव** ने कांस्य पदक जीता। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ मुकाबले में ईरान के महदी दावूद डमरचेली को 7-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

नॉर्थैम्प्टनशायर में चहल ने झटके चार विकेट

नॉर्थैम्प्टन, 03 अगस्त युजवेंद्र चहल के (चार विकेट) और ऑलराउंडर गस मिलर (115) की शानदार शतक पारी की बदौलत नॉर्थैम्प्टनशायर ने मेट्रो बैंक वन-डे कप मुकाबले में लैंकशायर पर 67 रन से जीत दर्ज की। चहल इस सीजन में पांच वनडे कप मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं।

लैंकशायर के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए मेजबान टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 347/6 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। मिलर ने आदि शर्मा (61) के साथ 25 ओवर में 153 रन की साझेदारी की, जबकि कप्तान नैथन मक्स्वीनी ने भी 78 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्कस हैरिस ने 57 रन बनाए और रॉकी फ्लिंटॉफ के साथ 85 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के टूट्ने के बाद शानदार फॉर्म में चल रहे 17 वर्षीय जो मूर्स ने लगभग अकेले दम पर मैच पलटने की कोशिश की। बढ़ते रन रेट के बावजूद उन्होंने केवल 59 गेंदों में बेहतरीन 85 रन बनाए, लेकिन एक बड़ी गलतफहमी के कारण रन आउट हो गए। जमकर खेल रहे हैरिस, चहल की गेंद पर शानदार अंदाज में आउट हुए, जब राफेल वेदरॉल ने लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर उनका एक बेहतरीन कैच लपका।

वहीं दूसरी ओर मिले जीवनदान का फ़ायदा उठाते हुए मूर्स ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने कुछ जोखिम भरे शॉट भी खेले और आगे बढ़कर चहल को मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया।

अखिलेश रेड्डी पर लगा आठ साल का प्रतिबंध

दुबई 03 अगस्त. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका के क्रिकेटर बोडुगुम अखिलेश रेड्डी पर आईसीसी के एंटी-करप्शन कोड के तीन नियमों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद उन पर आठ साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध 21 नवंबर, 2025 से लागू माना जाएगा और नवंबर 2033 तक चलेगा। ये आरोप अबू धाबी टी-10 के 2025 एडिशन से जुड़े हैं, जिसमें आईसीसी ने एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से 'डेजिग्नेटेड एंटी-करप्शन ऑफिशियल' (डीएसीओ) के तौर पर काम किया था।

भारत की हर्षिता जाखड़ ने 'टूर डी फ्रांस फेम्स' में इतिहास रचा

एग्ल (स्विट्ज़रलैंड), 03 अगस्त उन्नीस साल की हर्षिता जाखड़ ने रविवार दोपहर स्विट्ज़रलैंड के एग्ल में 'टूर डी फ्रांस फेम्स' का हिस्सा बनने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने इस मुश्किल रेस के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत के दौरान अफगानिस्तान, अल्जीरिया, चिली, इथियोपिया (दो राइडर्स), नामीबिया और युगांडा के आठ प्रतिभाशाली साइक्लिस्टों के ग्रुप का नेतृत्व किया। यह रेस 1 अगस्त को लॉज़ेन में शुरू हुई थी और 9 अगस्त को नीस में खत्म होगी।

यूसीआई (यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनेल; वर्ल्ड साइक्लिंग फेडरेशन) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यूसीआई द्वारा चुनी गई इस टीम को शायद अब तक की सबसे बड़ी दर्शक संख्या देखने को मिली, जब उन्होंने डब्ल्यूसीसी रोड टीम के कुछ राइडर्स के साथ कोर्स के एक न्यूट्रलाइज़्ड सेक्शन (जहाँ रेस की गति नियंत्रित रहती है) पर 4.5 किलोमीटर तक साइकिल चलाई। यूसीआई के अध्यक्ष डेविड लैपार्टिएंट स्टेज से पहले स्टार्ट पोडियम पर राइडर्स के साथ शामिल हुए और एक भारतीय को उनके बीच देखकर खुशी जताई। 'हम अपने प्रतिष्ठित यूसीआई वर्ल्ड साइक्लिंग टैलेंट प्रोग्राम में भारत की बेहद प्रतिभाशाली हर्षिता जाखड़ को पाकर उत्साहित हैं। मुझे यकीन है कि उन्हें 'टूर डी फ्रांस फेम्स' का हिस्सा बनकर अच्छा लगेगा और वह जल्द ही असल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वापस आएंगी।' प्रोफेशनल पेलेटन (मुख्य राइडर्स का समूह) से आगे शुरू करने वाले इन राइडर्स को अलग-अलग नेशनल फेडरेशन्स से चुना जाता है, जिनके पास अपना कोई हाई-परफॉर्मेंस पाथवे नहीं है और जिन्हें यूरोपियन कोचिंग, ट्रेनिंग सुविधाओं और रेसिंग तक पहुंच नहीं मिलती है।

हर्षिता का लक्ष्य 2030 के खेलों में मेडल जीतना

राजस्थान की रहने वाली हर्षिता भारतीय साइक्लिंग सर्किट में धूम मचा रही हैं; उन्होंने जूनियर्स के लिए उपलब्ध लगभग सभी मेडल जीते हैं और सीनियर्स कैटेगरी में भी लगातार जीत हासिल कर रही हैं। उनका लक्ष्य 2026 के एशियाई खेलों में टॉप 10 में जगह बनाना और 2030 के खेलों में मेडल जीतना है। 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' की एथलीट होने के नाते, वह पटियाला में साई नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में अपने पिता और कोच राकेश जाखड़ के साथ ट्रेनिंग करती हैं। राकेश जाखड़ खुद एक पूर्व साइक्लिस्ट हैं, जिन्होंने 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया था और वह एनआईएस पटियाला से क्वालिफाइड कोच हैं।

दलीप ट्रॉफी | जम्मू-कश्मीर के छह खिलाड़ियों का टीम में चयन

उत्तर क्षेत्र की टीम पर जम्मू-कश्मीर का दबदबा

नई दिल्ली 03 अगस्त। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए घोषित उत्तर क्षेत्र की टीम में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है। 23 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय दल में जम्मू-कश्मीर के छह खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

टीम की कमान जम्मू-कश्मीर के 24 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधावन को सौंपी गई है, जबकि दिल्ली के ऑलराउंडर **आयुष बदोनी उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। पिछली रणजी ट्रॉफी विजेता जम्मू-कश्मीर टीम के शानदार प्रदर्शन का असर दलीप ट्रॉफी चयन में भी दिखाई दिया है। कप्तान कन्हैया वधावन के अलावा सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल, मध्यक्रम बल्लेबाज अब्दुल समद, स्पिन ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और युधवीर सिंह को उत्तर क्षेत्र की टीम में जगह मिली है। जम्मू-कश्मीर के लिए पिछले रणजी सत्र में अब्दुल समद सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रहे थे। उन्होंने 10 मैचों की 15 पारियों में 57.53 की औसत से 748 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे।

> वहीं कप्तान कन्हैया वधावन ने भी 10 मैचों में 474 रन बनाकर टीम की सफलता में अहम योगदान दिया था। रणजी फाइनल में उनकी 70 रनों की पारी बेहद महत्वपूर्ण रही थी। सलामी बल्लेबाज **कामरान इकबाल** ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने फाइनल की दूसरी पारी में नाबाद 160 रन बनाए थे। पूरे रणजी सत्र में दो शतकों की मदद से 471 रन बनाने के बाद उन्हें पहली बार दलीप ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है।

CMYK